।। श्री गुरु जम्भेश्वराय नमः।। ।। श्री गुरु जम्भेश्वराय नमः।। ।। श्री गुरु जम्भेश्वराय नमः।।

जांभाणी साहित्य ज्ञान परीक्षा–2016

आपको सहर्ष सूचित किया जाता है कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जांभाणी साहित्य अकादमी (1-E-134, JNV कॉलोनी, बीकानेर) द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जांभाणी साहित्य ज्ञान परीक्षा आयोजित की जा रही है।

इस परीक्षा में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी व उनके अभिभावक ध्यान दें।

1. इस परीक्षा में 9 वीं से 12 वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी ही भाग ले सकते हैं।
2. परीक्षा शुल्क 20/- (बीस रूपये मात्र) है, जो कि आवेदन-पत्र के साथ प्रभारी को देना होगा।
3. आवेदन-पत्र तहसील या जिला प्रभारी से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है या अकादमी की बेबसाईट www.jambhani.com से भी डाऊनलोड किया जा सकता है। आवेदन पत्र तहसील या जिला प्रभारी के पास या उन द्वारा अधिकृत व्यक्ति या संस्था को जमा करवाना होगा। प्रभारियों की सूची अगस्त-सितम्बर माह की अमर-ज्योति व जंभ ज्योति में प्रकाशित है।
4. आवेदन पत्र भरने की अन्तिम तिथि 15 अगस्त 2016 है। अन्तिम तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन पत्र नहीं लिया जायेगा तथा आवेदन पत्र भरने वाले विद्यार्थी ही परीक्षा दे सकेगें।
5. परीक्षा नवम्बर में होनी प्रस्तावित है, जिसकी निश्चित तिथि बाद में घोषित की जायेगी, जो अक्तूबर की अमर-ज्योति, जंभ ज्योति, जंभादेश, बिश्नोई संदेश आदि पत्रिकाओं तथा अकादमी की बेवसाईट पर प्रकाशित की जायेगी तथा इसकी सूचना सम्बन्धित प्रभारियों, विद्यालयों व परीक्षा केन्द्रों को भी भेजी जायेगी।
6. परीक्षा का समय भी तिथि के साथ प्रकाशित होगा।
7. परीक्षा में 100 प्रश्न पूछे जायेगें, जिनके उतर वैकल्पिक (Objective) होगें। प्रत्येक प्रश्न का एक अंक होगा।
8. परीक्षा OMR सीट पर ली जायेगी, इसलिए विद्यार्थी OMR सीट भरने का अभ्यास करके आवें।
9. आवेदन पत्र साफ सुथरा व सही भरें।
10. विद्यार्थी के रोल नं. परीक्षा से 10 दिन पहले सम्बन्धित विद्यालय या परीक्षा केन्द्र पर भेज दिए जायेगें। अतः वे अपना रोल नं. वहां से प्राप्त करें।
11. 25 से कम परीक्षार्थी होने पर जिला स्तर की परीक्षा आयोजित नहीं की जायेगी। उन्हें किसी साथ लगते जिले में समायोजित किया जायेगा।
12. विद्यार्थी अपने विद्यालय द्वारा जारी पहचान पत्र की फोटो कापी आवेदन पत्र के साथ लगाएं या आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर अपने विद्यालय के मुख्याध्यापक से प्रमाणित करवाएं।
13. किसी भी विषय में आयोजन समिति का निर्णय अन्तिम होगा।
14. जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नकद राशि व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा तथा 40 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेगें।

-: परीक्षा का प्रस्तावित पाठ्यक्रम :-

- गुरु जाम्भो जी की समकालीन परिस्थितियां, गुरु जाम्भो जी का अवतार व वंश परिचय, बाल्यकाल, पशुचरण काल, बिश्नोई पंथ की स्थापना व उन्नतीस धर्म नियम, उपदेश काल, निर्वाण व महंतो की नियुक्ति।
- सबदवाणी, बिश्नोई समाज के प्रमुख धाम व साथरियां, भण्डारे, वृक्षों व वन्य प्राणियों की रक्षा के लिए दिया गया बलिदान, छः राजवियों की विगत, 35 पुण्य, चोइसा का लूरों।
- प्रमुख जांभाणी संस्कार व त्यौहार, हवन व पाहल एवं जम्मा-जागरण आदि।
- गोत्राचार, नवण मंत्र, कलश पूजन व पाहल मंत्र, बालक मंत्र आदि अन्य प्रमुख जांभाणी मंत्र।
- गुरु जाम्भो जी की यात्राएं व चमत्कार आदि।
- प्रमुख जांभाणी साहित्यकार व उनकी रचनाएं।

नोट : इस पाठ्यक्रम पर आधारित एक लघु पुस्तिका भी जांभाणी साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित की जा चुकी है, जो अक्तूबर में उपलब्ध हो जायेगी। मुकाम मेला व सभी प्रभारियों व प्रमुख बिश्नोई धर्मशालाओं में यह पुस्तक उपलब्ध होगी। विद्यार्थियों को परामर्श दिया जाता है कि वे इस लघु पुस्तिका के साथ-साथ अन्य जांभाणी साहित्य का भी अध्ययन करें।

डॉ. बनवारी लाल सहू
परीक्षा संयोजक

स्वामी कृष्णानंद आचार्य, अध्यक्ष
जांभाणी साहित्य अकादमी